

ये अव्यक्त इशारे



स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा
योग की शक्तियों का प्रयोग करो



26-10-2025

प्रयोगी आत्मा संस्कारों के ऊपर, प्रकृति द्वारा आने वाली परिस्थितियों पर और विकारों पर सदा विजयी होगी। योगी वा प्रयोगी आत्मा के आगे ये पांच विकार रूपी सांप गले की माला अथवा खुशी में नाचने की स्टेज बन जाते हैं।

**Experiment on yourself and others with
your mind with the powers of yoga.**

Souls who experiment always become victorious over their sanskars, the situations that appear through matter and over the vices. For a yogi soul or a soul who experiments, the snake of the five vices becomes a garland around the neck or a stage on which to dance with happiness.

